प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

Sample Paper - 10

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हँसी हमारे भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला-कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमाक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। हँसी-खुशी का नाम जीवन है। जो रोते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है-'ज़िदगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं।' मनुष्य के शरीर के वर्णन पर एक विलायती विद्वान ने पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास-से-उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढहा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम-से-उत्तम उपाय मनुष्य के चित्त को प्रसन्न रखना है। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है।

एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है।

(i) हेरीक्लेस व डेमाक्रीट्स के उदाहरण से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है?

i. प्रसन्नचित्त व्यक्ति का लंबे समय तक जीना।

ii. रोते - चीखते रहने वाले व्यक्ति का जल्दी मरना।

iii. जिंदगी चुपचाप जीनी चाहिए।

iv. जिंदगी जिंदादिली का नाम है।

क) कथन i, ii व iii सही हैं ख) कथन iii व iv सही हैं

ग) कथन i व iv सही हैं | घ) कथन i, iii व iv सही हैं

(ii) हँसी को एक शक्तिशाली इंजन के समान क्यों कहा गया है?

क) शोक व दुख की दीवारों को ढहाने में सक्षम होने के कारण

ख) आयु कम करने के कारण

ग) प्राण रक्षा के लिए

घ) हँसी का कला-कौशलों से युक्त होने के कारण

(iii) हँसी भीतरी आनंद को कैसे प्रकट करती है?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) खिलखिलाकर हँसने से

ग) मन में ख़ुशी व प्रसन्नता के भाव से

घ) चित्त को प्रसन्न रखने से

(iv) डेमाक्रीट्स कितने वर्षों तक जीवित रहा?

क) 109

ख) 108

ग) 190

घ) 101

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): प्राण - रक्षा के लिए मनुष्य के चित्त का प्रसन्न होना आवश्यक है।
कथन (R): एक हँसोड़ मनुष्य उदास वातावरण को प्रफुल्लता से भर देता है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **हर्षिता बहुत विनम्र है और सर्वत्र सम्मान प्राप्त करती है।** रचना के आधार पर वाक्य-भेद है-

क) मिश्र वाक्य

ख) सरल वाक्य

ग) साधारण वाक्य

घ) संयुक्त वाक्य

(ii) **हुड़दंग तो इतना मचाया कि कॉलेज वालों को थर्ड इयर भी खोलना पड़ा।** रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए-

क) मिश्र वाक्य

ख) संयुक्त वाक्य

ग) साधारण वाक्य　　　　घ) सरल वाक्य

(iii) **बालगोबिन भगत जानते थे कि अब बुढ़ापा आ गया है।** आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए।

क) विकल्प (ii)　　　　ख) विकल्प (i)

ग) विकल्प (iv)　　　　घ) विकल्प (iii)

(iv) संयुक्त वाक्य चुनिए-

क) मेरा भाई प्रथम आया है और उसे पुरस्कार मिला है।　　　　ख) कवि ने ऐसी कविता सुनाई कि सब हँसने लगे।

ग) बच्चा दूध पीकर खेलने चला गया।　　　　घ) बिना परिश्रम के सफलता नहीं मिलती।

(v) रचना की दृष्टि से निम्नलिखित वाक्य किस प्रकार का है - वह बाज़ार से फल, सब्जी और राशन का सामान लाया।

क) मिश्र वाक्य　　　　ख) संयुक्त वाक्य

ग) आश्रित वाक्य　　　　घ) सरल वाक्य

3. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **पक्षी द्वारा दाने चुगे जा रहे हैं** वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए-

क) पक्षी दाना चुग रहा है　　　　ख) दाने पक्षी चुग रहे हैं

ग) पक्षी से दाना चुगा गया　　　　घ) पक्षी दाने चुग रहे हैं

(ii) निम्न वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँटिए-

i. नैना द्वारा चारपाई बुनी गई।
ii. मोहन दुकान पर जाता है।
iii. अब दर्द सहा नहीं जाता।
iv. रवि द्वारा चाय पी गई।

क) विकल्प (i)　　　　ख) विकल्प (iv)

ग) विकल्प (iii)　　　　घ) विकल्प (ii)

(iii) **उसने भोजन कर लिया** वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।

क) क्या उसने भोजन कर लिया　　　　ख) उसके द्वारा भोजन कर लिया गया

ग) उसके द्वारा भोजन में लग लिया गया

घ) उसके द्वारा भोजन नहीं किया जा सका

(iv) **हवलदार साहब ने पान खाया** वाच्य के भेद बताइए-

क) सभी

ख) भाववाच्य

ग) कर्मवाच्य

घ) कर्तृवाच्य

(v) निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा भाववाच्य है?

i. ख़बर सुनकर वह चल नहीं पा रही।

ii. ख़बर सुनकर वह चल नहीं पायी।

iii. ख़बर सुनकर वह चल नहीं पाती।

iv. ख़बर सुनकर उससे चला भी नहीं जा रहा था।

क) विकल्प (iii)

ख) विकल्प (i)

ग) विकल्प (iv)

घ) विकल्प (ii)

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **<u>गाय</u>** फल खा रही है। इस वाक्य के **गाय** का पद परिचय दीजिए।

क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक, खा रही है क्रिया का कर्म

ख) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक, खा रही है क्रिया का कर्म

ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, खा रही है क्रिया का कर्ता

घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, करण कारक, खा रही है क्रिया का कर्ता

(ii) **<u>मेरा</u>** भाई यहाँ नहीं है रेखांकित पद का परिचय है-

क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ख) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक

ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक

(iii) **समझदार लड़के नहीं लड़ते।** इस वाक्य में **लड़के** का पद परिचय दीजिए।

क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक, 'लड़ते' क्रिया का कर्म

ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक, 'लड़ते' क्रिया का कर्ता

ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, करण कारक, 'लड़ते क्रिया का कर्म

घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक, 'लड़ते' क्रिया का कर्म

(iv) <u>वह</u> कल आएगा - वाक्य में रेखांकित पद के लिए उचित पद परिचय होगा -

क) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

ख) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

ग) निजवाचक सर्वनाम

घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(v) हमने अपने कपड़े <u>**स्वयं**</u> धोए। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए।

क) सर्वनाम, निजवाचक

ख) निश्चयवाचक सर्वनाम, बहुवचन

ग) मध्यमपुरुष सर्वनाम, एकवचन

घ) इनमें से कोई नहीं

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **श्रद्धानत तरुओं की अंजली से झरे पात,**
कोंपल के मूंदे नयन थर-थर-थर पुलकगात।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) यमक अलंकार

ख) रूपक अलंकार

ग) मानवीकरण अलंकार

घ) अनुप्रास अलंकार

(ii) **इस सोते संसार बीच,**
जगकर सजकर रजनीबाले।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) रूपक अलंकार

ख) उपमा अलंकार

ग) मानवीकरण अलंकार

घ) अनुप्रास अलंकार

(iii) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-
दिवस का समय, मेघ आसमान से उतर रही है,
वह संध्या सुंदरी सी, धीरे धीरे।

क) अनुप्रास अलंकार

ख) उपमा अलंकार

ग) रूपक अलंकार

घ) यमक अलंकार

(iv) **धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत-रजनी।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) यमक अलंकार

ख) उपमा अलंकार

ग) मानवीकरण अलंकार

घ) रूपक अलंकार

(v) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-

धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत-रजनी।

क) रूपक अलंकार
ख) यमक अलंकार
ग) मानवीकरण अलंकार
घ) उपमा अलंकार

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

पहले उदाहरण में एक चीज़ है किसी व्यक्ति विशेष की आग का आविष्कार कर सकने की शक्ति और दूसरी चीज़ है आग का आविष्कार। इसी प्रकार दूसरे सुई-धागे के उदाहरण में एक चीज़ है सुई-धागे का आविष्कार कर सकने की शक्ति और दूसरी चीज़ है सुई-धागे का आविष्कार। जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर आग का व सुई-धागे का आविष्कार हुआ, वह है व्यक्ति विशेष की संस्कृति और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ, जो चीज़ उसने अपने तथा दूसरों के लिए आविष्कृत की, उसका नाम है सभ्यता। जिस व्यक्ति में पहली चीज़ जितनी अधिक व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक व वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा।

(i) आग का आविष्कार मानव के किन प्रयासों का परिणाम है?

क) नकारात्मक
ख) अप्रत्यक्ष
ग) सकारात्मक
घ) प्रत्यक्ष

(ii) गद्यांश के अनुसार मनुष्य अपनी किस शक्ति के कारण पशु से भिन्न है?

क) उसकी मानवीय चेतना
ख) उसकी विवेकशीलता और मानवीय चेतना दोनों
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) उसकी विवेकशीलता

(iii) लेखक ने संस्कृति किसे कहा है?

क) मनुष्य की योग्यता जिसके बल पर वह आविष्कार करता है
ख) मनुष्य की अयोग्यता जिसके बल पर वह आविष्कार नहीं करता है
ग) मनुष्य की योग्यता जिसके बल पर वह आविष्कार नहीं करता है
घ) मनुष्य की अयोग्यता जिसके बल पर वह आविष्कार करता है

(iv) योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर मानव जीवन को कैसा बना सकता है?

क) समृद्ध
ख) असभ्य
ग) असंस्कृत
घ) असमृद्ध

(v) गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

क) असंस्कृति
ख) संस्कृति
ग) असभ्यता
घ) सभ्यता

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

नदी में नदी का अपना कुछ भी नहीं
जो कुछ है
सब पानी का है।
जैसे पोथियों में उनका अपना
कुछ नहीं होता
कुछ अक्षरों का होता है
कुछ ध्वनियों और शब्दों का
कुछ पेड़ों का कुछ धागों का
कुछ कवियों का
जैसे चूल्हे में चूल्हे का अपना
कुछ भी नहीं होता
न जलावन, न आँच, न राख
जैसे दीये में दीये का
न रुई, न उसकी बाती
न तेल न आग न लियली
वैसे ही नदी में नदी का
अपना कुछ नहीं होता।
नदी न कहीं आती है न जाती है
वह तो पृथ्वी के साथ
सतत् पानी-पानी गाती है।
नदी और कुछ नहीं
पानी की कहानी है
जो बूँदों से सुन कर बादलों को सुनानी है।

-- बोधिसत्व

(i) नदी के बारे में कौनसा/कौनसे कथन सत्य हैं?

i. नदी का अस्तित्व ही पानी से है।
ii. नदी कहीं आती - जाती नहीं है।
iii. नदी की सोच व्यापक है।
iv. नदी बहुत बड़ी है।

क) कथन ii व iii सही हैं
ख) कथन i व ii सही हैं
ग) कथन i व iv सही हैं
घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) पुस्तक-निर्माण के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

क) कवियों की कलम उसे नाम देती है।
ख) पुस्तकालय उसे सुरक्षा प्रदान करता है।
ग) ध्वनियों और शब्दों का महत्त्व है।
घ) पेड़ों और धागों का योगदान होता है।

(iii) कवि, पोथी, चूल्हे आदि उदाहरण क्यों दिए गए हैं?

क) उन्होंने उदारता से अपनी बात कही है।

ख) नदी की कमजोरी को दर्शाया है।

ग) हमारा अपना कुछ नहीं।

घ) इन सभी के बहुत से मददगार हैं।

(iv) नदी की स्थिरता की बात कौन-सी पंक्ति में कही गई है?

क) वह तो पृथ्वी के साथ सतत् पानी-पानी गाती है।

ख) जो कुछ है सब पानी का है।

ग) नदी में नदी का अपना कुछ भी नहीं।

घ) नदी न कहीं आती है न जाती है।

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): अक्षरों और ध्वनियों के बिना पुस्तकों का कोई महत्व नहीं है।
कथन (R): मनुष्य के अकेले का को अस्तित्व नहीं होता है I सहयोग और साथ के बिना मनुष्य जीवन व्यर्थ है।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि अंक प्रबल हैं,
पद पर क्यों न देती स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है?
उपजाता क्यों विभव प्रकृति को
सींच-सींच व जल से
क्यों न उठा लेता निज संचित करता है।
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है

वह श्रम, वह भुज-बल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई है;
पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।
- रामधारी सिंह दिनकर

(i) परिश्रमी व्यक्ति सफलता के बारे में क्या मानते हैं?

i. भाग्य में लिखी होने पर ही सफलता मिलती है।

ii. कर्म करने पर ही सफलता मिलती है।

iii. परिश्रम करने पर ही सफलता मिलती है।

iv. भाग्य पर भरोसा न करने वाले व्यक्ति को ही सफलता मिलती है।

क) कथन i, ii व iii सही हैं

ख) कथन i व iii सही हैं

ग) कथन ii व iv सही हैं

घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

(ii) धरती और आकाश किसके कारण झुकने को विवश हुए हैं?

क) आँधी के कारण

ख) भाग्य के कारण

ग) परिश्रम के कारण

घ) तूफ़ान के कारण

(iii) काव्यांश में निहित संदेश क्या है?

क) भाग्य और परिश्रम का त्याग करना।

ख) भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।

ग) परिश्रम का सहारा त्याग कर भाग्य पर भरोसा करना।

घ) भाग्य और परिश्रम का सहारा लेना।

(iv) **नर-समाज** में कौनसा समास है?

क) द्वंद्व समास

ख) द्विगु समास

ग) अव्ययीभाव समास

घ) तत्पुरुष समास

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): भाग्यवादी व्यक्ति सदा अपने भाग्य को ही दोष देता रहता है।
कथन (R): भाग्यवादी मनुष्य अपने लक्ष्य में कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(i) कवि ने अपने जीवन को कैसा बताया है?

क) बड़ा
ख) छोटा
ग) भरा हुआ
घ) बच्चा

(ii) कवि ने किसे संजो कर रखा है?

क) अपने जीवन को
ख) नई यादों को
ग) पुरानी यादों को
घ) बड़ी कथाओं को

(iii) कवि आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहता?

क) क्योंकि वह बहुत खुश है
ख) क्योंकि उसका जीवन सुख से भरा हुआ है
ग) क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की
घ) क्योंकि उसका मन नहीं है

(iv) पद्यांश में कवि ने किसे अच्छा माना है?

क) अपने दुःख को
ख) अपनी आत्मकथा लिखने को
ग) अपने जीवन को
घ) दूसरों की आत्मकथा सुनने को

(v) **थकी सोई है मेरी मौन व्यथा-** कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

क) क्योंकि वे अपने दुखद क्षणों को याद करना चाहते हैं
ख) क्योंकि वे स्वयं बहुत सुखी हैं
ग) क्योंकि वे अपने मित्रों को खुश देखना चाहते हैं
घ) क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) शूरवीर को अपनी शूरता ________ प्रदर्शित करनी चाहिए।

क) स्वयंवर में
ख) अपने को औरों से बड़ा बताने में
ग) युद्ध भूमि में
घ) राजभवन में

(ii)

सूरदास के पद में इनमें से किस पक्षी की तुलना गोपियों से की गई है?

क) कोयल　　　　ख) चकोर

ग) मोर　　　　घ) हारिल

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) दक्षिण भारत का मंगल वाद्य क्या है?

क) शहनाई　　　　ख) नागस्वरम्

ग) मुरली　　　　घ) सुषिर-वाद्य

(ii) खेत की उपज को भगत सर्वप्रथम कहाँ ले जाते थे ?

क) कबीरपंथी मठ में　　　　ख) बाज़ार में

ग) मंदिर में　　　　घ) दुकान में

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) गोपियाँ उद्धव के माध्यम से कृष्ण को किस राजधर्म की याद दिला रही हैं? इसके पीछे उनकी किस प्रकार की आकांक्षा निहित है?

(ii) मुख्य गायक और संगतकार की आवाज़ में क्या अंतर दिखाई पड़ती है?

(iii) शिव के धनुष को तोड़ने वाले के विरुद्ध परशुराम ने किस प्रकार के व्यवहार का संकल्प व्यक्त किया?

(iv) बच्चा अनजान व्यक्ति की ओर किस प्रकार देखता रहता है? "यह दंतुरित मुसकान" कविता के अनुसार उसे देखकर कवि नागार्जुन क्या कहकर आँखें फेर लेना चाहते हैं?

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) एक संगीतज्ञ के रूप में खाँ साहब का जीवन हमें विद्यार्थी जीवन के लिए किन मूल्यों की शिक्षा देता है ?

(ii) **संस्कृति** पाठ के अनुसार सभ्यता में दो संस्कृत-पुरुषों के प्रभाव-तत्त्व दिखाई दते हैं- स्पष्ट काजिए।

(iii) उस घटना का उल्लेख कीजिए जिसके बारे में एक कहानी यह भी की लेखिका को न अपने कानों पर विश्वास हो पाया और न आँखों पर।

(iv) वास्तविक अर्थों में **संस्कृत व्यक्ति** किसे कहा जा सकता है?

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- **[8]**

(i) क्या बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़ रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं, कैसे?

(ii) भारत का स्विट्ज़रलैंड किसे कहते हैं और क्यों? **साना-साना हाथ जोड़ि....** पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर लिखिये कि माँ बच्चे को 'कन्हैया' का रूप देने के लिये किन-किन चीजों से सजाती थीं ? इससे उनकी किस भावना का बोध होता है? आपकी राय से बच्चों का क्या कर्तव्य होना चाहिए ?

14. वन-महोत्सव के अवसर पर वन विभाग द्वारा अनेक वृक्ष लगाए गए थे। उपेक्षा के कारण अब वे सूखते जा रहे हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

मोटर साइकिल सुविधा के लिए है-तेज चलाने, करतब दिखाने के लिए नहीं-यह समझाते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए।

15. सब्जेक्ट एक्सपर्ट पद के लिए स्ववृत्त लेखन लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों को अंधाधुंध काटा जा रहा है। इसकी शिकायत करते हुए अपने जिले के वन-निरीक्षक को pccfgnctd@gmail.com एक ईमेल लिखिए।

16. आपको राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान एक अटैची मिली है। उसके मालिक तक पहुंचाने के लिए 25-50 शब्दो में एक विज्ञापन तैयार कीजिये। **[4]**

अथवा

अपने छोटे भाई को जन्मदिवस की शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

17. **वन एवं वन्य संपदा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- वन एवं वन्य संपदा क्या है?
- इनका महत्त्व
- वन एवं वन संपदा पर खतरा

अथवा

पुस्तकें पढ़ने की आदत विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- पढ़ने की घटती प्रवृति
- कारण और हानि
- पढ़ने की आदत से लाभ

अथवा

स्वच्छता आंदोलन विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- क्यों
- बदलाव
- हमारा उत्तरदायित्व

Solution

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
हँसी हमारे भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला-कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमाक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। हँसी-खुशी का नाम जीवन है। जो रोते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है-'ज़िंदगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं।' मनुष्य के शरीर के वर्णन पर एक विलायती विद्वान ने पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास-से-उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढहा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम-से-उत्तम उपाय मनुष्य के चित्त को प्रसन्न रखना है। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है। एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है।

(i) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं
(ii) **(क)** शोक व दुख की दीवारों को ढहाने में सक्षम होने के कारण
व्याख्या: शोक व दुख की दीवारों को ढहाने में सक्षम होने के कारण
(iii) **(ख)** खिलखिलाकर हँसने से
व्याख्या: खिलखिलाकर हँसने से
(iv) **(क)** 109
व्याख्या: 109
(v) **(ख)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: संयुक्त वाक्य
(ii) **(क)** मिश्र वाक्य
व्याख्या: मिश्र वाक्य
(iii) **(घ)** विकल्प (iii)
व्याख्या: अब बुढ़ापा आ गया है-संज्ञा आश्रित उपवाक्य।
(iv) **(क)** मेरा भाई प्रथम आया है और उसे पुरस्कार मिला है।
व्याख्या: मेरा भाई प्रथम आया है और उसे पुरस्कार मिला है।

(v) **(घ)** सरल वाक्य
व्याख्या: एक कर्ता और क्रिया होने के कारण यह सरल वाक्य है।

3. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** पक्षी दाने चुग रहे हैं
व्याख्या: पक्षी दाने चुग रहे हैं
(ii) **(ग)** विकल्प (iii)
व्याख्या: अब दर्द सहा नहीं जाता।
(iii) **(ख)** उसके द्वारा भोजन कर लिया गया
व्याख्या: उसके द्वारा भोजन कर लिया गया
(iv) **(घ)** कर्तृवाच्य
व्याख्या: 'हवलदार साहब ने पान खाया' वाक्य में कर्तृवाच्य होगा।
(v) **(ग)** विकल्प (iv)
व्याख्या: ख़बर सुनकर उससे चला भी नहीं जा रहा था।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, खा रही है क्रिया का कर्ता
व्याख्या: जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, खा रही है क्रिया का कर्ता
(ii) **(घ)** उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक
व्याख्या: उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक
(iii) **(ख)** जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक, 'लड़ते' क्रिया का कर्ता
व्याख्या: जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक, लड़ते' क्रिया का कर्ता
(iv) **(क)** अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
व्याख्या: 'वह' पुरुषवाचक सर्वनाम है और इसका प्रयोग अन्य के लिए होने के कारण यह अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम है।
(v) **(ग)** मध्यमपुरुष सर्वनाम, एकवचन
व्याख्या: मध्यमपुरुष सर्वनाम, एकवचन

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(ii) **(ग)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(iii) **(ख)** उपमा अलंकार
व्याख्या: उपमा अलंकार
(iv) **(ग)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(v) **(ग)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

पहले उदाहरण में एक चीज़ है किसी व्यक्ति विशेष की आग का आविष्कार कर सकने की शक्ति और दूसरी चीज़ है आग का आविष्कार। इसी प्रकार दूसरे सुई-धागे के उदाहरण में एक चीज़ है सुई-धागे का आविष्कार कर सकने की शक्ति और दूसरी चीज़ है सुई-धागे का आविष्कार। जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर आग का व सुई-धागे का आविष्कार हुआ, वह है व्यक्ति विशेष की संस्कृति और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ, जो चीज़ उसने अपने तथा दूसरों के लिए आविष्कृत की, उसका नाम है सभ्यता। जिस व्यक्ति में पहली चीज़ जितनी अधिक व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक व वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा।

(i) **(ग)** सकारात्मक
व्याख्या: सकारात्मक

(ii) **(ख)** उसकी विवेकशीलता और मानवीय चेतना दोनों
व्याख्या: उसकी विवेकशीलता और उसकी मानवीय चेतना दोनों

(iii) **(क)** मनुष्य की योग्यता जिसके बल पर वह आविष्कार करता है
व्याख्या: मनुष्य की योग्यता जिसके बल पर वह आविष्कार करता है

(iv) **(क)** समृद्ध
व्याख्या: समृद्ध

(v) **(ख)** संस्कृति
व्याख्या: संस्कृति

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

नदी में नदी का अपना कुछ भी नहीं
जो कुछ है
सब पानी का है।
जैसे पोथियों में उनका अपना
कुछ नहीं होता
कुछ अक्षरों का होता है
कुछ ध्वनियों और शब्दों का
कुछ पेड़ों का कुछ धागों का
कुछ कवियों का
जैसे चूल्हे में चूल्हे का अपना
कुछ भी नहीं होता
न जलावन, न आँच, न राख
जैसे दीये में दीये का
न रुई, न उसकी बाती
न तेल न आग न लियली
वैसे ही नदी में नदी का
अपना कुछ नहीं होता।
नदी न कहीं आती है न जाती है
वह तो पृथ्वी के साथ
सतत् पानी-पानी गाती है।
नदी और कुछ नहीं

पानी की कहानी है
जो बूँदों से सुन कर बादलों को सुनानी है।
-- बोधिसत्व

(i) **(ख)** कथन i व ii सही हैं
व्याख्या: कथन i व ii सही हैं
(ii) **(ग)** ध्वनियों और शब्दों का महत्त्व है।
व्याख्या: ध्वनियों और शब्दों का महत्त्व है।
(iii) **(ग)** हमारा अपना कुछ नहीं।
व्याख्या: हमारा अपना कुछ नहीं।
(iv) **(घ)** नदी न कहीं आती है न जाती है।
व्याख्या: नदी न कहीं आती है न जाती है।
(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि अंक प्रबल हैं,
पद पर क्यों न देती स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है?
उपजाता क्यों विभव प्रकृति को
सींच-सींच व जल से
क्यों न उठा लेता निज संचित करता है।
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है
वह श्रम, वह भुज-बल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई है;
पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।
- रामधारी सिंह दिनकर

(i) **(घ)** कथन ii, iii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन ii, iii व iv सही हैं
(ii) **(ग)** परिश्रम के कारण
व्याख्या: परिश्रम के कारण
(iii) **(ख)** भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।
व्याख्या: भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।

(iv) **(क)** द्वंद्व समास

व्याख्या: द्वंद्व समास

(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(i) **(ख)** छोटा

व्याख्या: छोटा

(ii) **(क)** अपने जीवन को

व्याख्या: अपने जीवन को

(iii) **(ग)** क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की

व्याख्या: क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की

(iv) **(घ)** दूसरों की आत्मकथा सुनने को

व्याख्या: दूसरों की आत्मकथा सुनने को

(v) **(घ)** क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते

व्याख्या: क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** युद्ध भूमि में

व्याख्या: शूरवीर को अपनी वीरता युद्ध भूमि में प्रदर्शित करनी चाहिए। शूरता युद्ध भूमि में ही देखी जाती है, बातों से कोई शूरवीर नहीं होता।

(ii) **(घ)** हारिल

व्याख्या: प्रस्तुत पद में हारिल पक्षी की तुलना गोपियों से की गई है।

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ख)** नागस्वरम्

व्याख्या: नागस्वरम् दक्षिण भारत का मंगल वाद्य है और ये सुषिर-वाद्यों के अंतर्गत आता है।

(ii) **(क)** कबीरपंथी मठ में

व्याख्या: भगत कबीर को साहब मानते थे इसलिए वे सर्वप्रथम अपने खेत की उपज को कबीरपंथी मठ में ले जाते थे और वहाँ से जो प्रसाद स्वरूप मिल जाता उससे गुज़ारा करते।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) गोपियों का मानना है कि राजधर्म यही है कि प्रजा को सताया नहीं जाए। कृष्ण अब पहले वाले कृष्ण नहीं रहे, कृष्ण को इस राजधर्म की याद दिलाने के पीछे उनकी यह आकांक्षा निहित है कि वे प्रेम की मर्यादा का निर्वाह करते हुए गोपियों से मिलने आएँ और उनकी विरह-व्यथा को शांत करें।

(ii) मुख्य गायक की आवाज़ चट्टान की भाँति गम्भीर व भारी होती है, इसके विपरीत संगतकार की आवाज़ मधुर, कंपनयुक्त व कमजोर होती है जो प्रत्येक कदम पर मुख्य गायक के स्वर में स्वर मिलाकर उसके स्वर को प्रभावपूर्ण बनाती है।

(iii) परशुराम ने शिव के धनुष को तोड़ने वाले के प्रति अत्यंत क्रोधपूर्ण वचन कहे। उन्होंने यह संकल्प किया कि शिव के धनुष को तोड़ने वाला सहस्त्रबाहु के समान मेरा शत्रु है। वह इस समाज को छोड़कर अलग हो जाए, नहीं तो मैं सभी राजाओं को मार डालूँगा।

(iv) बच्चा अनजान व्यक्ति (कवि) की ओर बिना पलक झपकाए लगातार देखता रहता है। वह उसे पहचानने का प्रयास कर रहा है। साथ ही उसके मन में आगंतुक के बारे में जानने का कौतूहल भी है। कवि यह कहकर कि कहीं बच्चा उन्हें एकटक देखते हुए थक न जाये, आँखें फेर लेना चाहते हैं।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) संगीतज्ञ खाँ साहब विद्यार्थियों के लिए आदर्श हैं। एक संगीतज्ञ के रूप में उनका जीवन विद्यार्थियों को अपने कार्य के प्रति सच्ची लगन रखना, सादगी से जीवन व्यतीत करना और कार्य के प्रति पूर्ण समर्पण तथा अहंकारशून्य होने की शिक्षा देता है|

(ii) सभ्यता में दो संस्कृत पुरुषों का प्रभाव दिखाई देता है-

  i. एक तो ऐसे संस्कृत पुरुष जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है उनसे सभ्यता का बहुत बड़ा हिस्सा निर्मित है।
  ii. दूसरे ऐसे संस्कृत मनीषियों से जो भौतिक प्रेरणा से दूर हैं अर्थात् भौतिक वस्तुओं के प्रति जिनका कोई मोह नहीं है सभ्यता का एक हिस्सा निर्मित है।

(iii) लेखिका के पिता को कॉलेज की प्रिंसिपल ने एक पत्र भेजा था जिसमें उनके विरुद्ध होने वाली अनुशासनात्मक कार्यवाही का उल्लेख था| उसे पढ़कर पिताजी बेहद नाराज़ हुए| जब वे कॉलेज गए तो उन्होंने देखा कि वहाँ उनकी बेटी का इतना रौब है कि उनके बिना लडकियाँ क्लास में भी नहीं जातीं| ये देखकर वे कॉलेज की प्रिंसिपल से बोले कि उनकी लड़की वही कर रही है जो देश की पुकार है| घर आने पर जब वे प्रसन्नतापूर्वक ये घटना सुना रहे थे तो लेखिका को न अपने कानों पर विश्वास हो पाया और न अपनी आँखों पर|

(iv) ऐसा व्यक्ति जो अपनी योग्यता और बुद्धि के आधार पर नए तथ्य की खोज करता है, नए सिद्धांत स्थापित करता है, उसके वावजूद भी वह स्वभाव से साधारण एवं विनम्र रहता है संस्कृत व्यक्ति कहलाता है।

उदाहरण के तौर पर देखें तो महानतम वैज्ञानिक न्यूटन ने अपने बुद्धि का उपयोग कर भौतिकी के सबसे मूल नियम जिसे गुरुत्वाकर्षण का नियम कहते हैं को भौतिकी में प्रतिस्थापित किया। इसी कारण उन्हें संस्कृत व्यक्ति कहना उचित होगा। ऐसे व्यक्ति संस्कृत व्यक्ति ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनमें विशिष्ट गुण होते हैं, जो बहुत प्रतिभाशाली होते हैं, विनम्र होते हों, साधारण होते

हैं, दुनिया एवं समाज को एक बेहतर नजरिये से वे देख पाते हैं एवं उसे समझने की कोशिश करते हैं। ऐसे व्यक्ति संस्कृत व्यक्ति कहलाते हैं।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) बिल्कुल ! ये दवाब किसी भी क्षेत्र के कलाकार हो, सबको समान रुप से प्रभावित करते हैं। कलाकार अपनी अनुभूति या अपनी खुशी के लिए अवश्य अपनी कला का प्रदर्शन करता है, परन्तु उसके क्षेत्र की विवशता एक रचनाकार से अलग नहीं है। जैसे -

i. अभिनेता, मंच कलाकार या नृत्यकार - इन पर निर्देशक का दबाव रहता है।
ii. गायक-गायिकाएँ - इन पर आयोजको और श्रोताओं का दबाव बना रहता है।
iii. मूर्तिकार - इन पर बनवाने वाले ग्राहकों की इच्छाओं तथा पसन्द का दबाव रहता है।
iv. चित्रकार - इन पर बनवाने वाले ग्राहकों की इच्छाओं का दबाव रहता है।

(ii) 'कटाओ' को भारत का स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों का मन मोह लेती है इसे देखकर सैलानी स्वयं को ईश्वर के निकट समझते हैं। वहाँ उन्हें अद्भुत शांति मिलती है।

(iii)भोलानाथ की माँ उसके सिर में बहुत-सा सरसों का तेल डालकर बालों को तर कर देती | इसके बाद वह उसका उबटन करती। भोलानाथ की नाभि और माथे पर काजल का टीका लगाती | उसकी चोटी गूंथकर उसमें फूलदार लट्टू बाँध देती थीं | इसके बाद रंगीन कुरता टोपी पहनाकर उसे खासा कन्हैया बना देती। इससे माँ का भोलानाथ के प्रति लाड़ प्यार की भावना का बोध होता है। हमारी राय में बच्चों का भी अपने माता-पिता के प्रति यह कर्तव्य है कि वे उनके प्रति आदर सम्मान का भाव रखें व ऐसा कोई भी काम न करें जिससे उनकी भावना को ठेस पहुँचे |

14. पी-275/4
वसंत कुंज
दिल्ली
दिनांक 17 जनवरी, 2019
सम्पादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली।
विषय- सूखते पेड़ों के विषय में सम्बन्धित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के सम्बन्ध में।
महोदय,
मैं आपके समाचार पत्र का नियमित पाठक हूँ | और इस सम्मानित पत्र के माध्यम से अपने मोहल्ले के पास स्थित पार्क में सूखते वृक्षों की ओर ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ। श्रीमानजी, मोहल्ले वालों के बार-बार अनुरोध करने के बाद वन विभाग ने परती पड़े पार्क में वृक्ष लगवा दिए, किंतु उनके रख रखाव का कोई स्थायी प्रबंध नहीं किया और पूछने पर कोई संतोषजनक उत्तर भी नहीं दिया | फलस्वरूप कई दिन बीत जाने के बाद भी उन वृक्षों को पानी नहीं दिया जा रहा है। इससे कई वृक्ष सूख गए हैं तथा बाकी मुरझाए हुए हैं। यदि इन वृक्षों की शीघ्र सिंचाई न की गई तो बाकी बचे वृक्ष भी सूख जाएँगे।इस तरह का कार्य सिर्फ खाना पूर्ति मात्र है। वन विभाग के कर्मचारियों को कई बार मौखिक रूप से कहा गया है, किंतु उसका कोई असर नहीं हुआ। न ही वे दोबारा हमारे क्षेत्र में आयें। हम मोहल्ले वाले इन वृक्षों को सूखने से बचाना चाहते हैं।

आपसे निवेदन है कि इसे अपने समाचार पत्र में स्थान देने की कृपा करें ताकि सम्बन्धित अधिकारी इस विषय पर आवश्यक कदम उठाएँ | लापरवाह लोगों के खिलाफ कार्यवाही भी हो सके और पार्क के रख रखाव का स्थायी प्रबंध हो सके।

धन्यवाद सहित,

विजय

अथवा

नेहरू नगर ,नई दिल्ली

२३ मार्च २०१९

प्रिय गोविन्द

सदैव प्रसन्न रहो

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि इस बार हाईस्कूल परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक लाने पर पिताजी ने तुम्हें मोटर-साइकिल उपहार में देकर तुम्हारी इच्छा पूरी कर दी। मेरे भाई मोटरसाइकिल की तुम्हें बहुत आवश्यकता थी,कोचिंग आदि जाने में समस्या थी | अतः पिताजी ने तुम्हारी जरूरतों को देखते हुए तुम्हारे लिए इसे खरीदा है। परन्तु इसका इस्तेमाल करते हुए तुम्हें कुछ बुनियादी बातें ध्यान में रखनी हैं अर्थात जोश में होश कायम रखना अन्यथा दुष्परिणाम हो सकते हैं।

कभी भी अपनी मोटरसाइकिल किसी अन्य को न देना अन्यथा तुम्हें हानि उठानी पड़ सकती है। हो सकता है वह तुम्हारी मोटरसाइकिल का दुरुपयोग करे किन्तु उसका खामियाजा तुम्हें उठाना पड़ेगा। हमेशा ड्राइविंग लाइसेन्स और गाड़ी के कागज साथ में रखना और हेलमेट का प्रयोग बहुत जरूरी है। कभी भी दोस्ती में तीन सवारी मत करना।

ध्यान रहे कि मोटर साइकिल सुविधा के लिए है | समय बचाने के लिए है तेज चलाने या करतब दिखाने के लिए नहीं।

तेज चलाने वाले लोग अकसर दुर्घटना कर बैठते हैं और जिससे स्वयं भी चोटिल हो सकते हैं दूसरे को भी चोट लग सकती है। 40-50 किमी प्रति घण्टा से अधिक की स्पीड पर मोटर साइकिल नहीं चलानी चाहिए। वैसे तो तुम खुद बहुत समझदार हो लेकिन समझाना मेरा कर्तव्य है उम्मीद है तुम ध्यान रखोगे।

तुम्हारा भाई

गौतम सिंह

15. सेवा में,

मैनेजर

एमसीजी पब्लिकेशन

द्वारका, नई दिल्ली

मान्यवर,

विषय - सब्जेक्ट एक्सपर्ट पद के लिए स्ववृत्त

मुझे यह ज्ञात हुआ है कि आपके संस्थान में सब्जेक्ट एक्सपर्ट पद हेतु कुछ रिक्तियाँ आबंटित हुई हैं। इस सन्दर्भ में विचारार्थ मेरा स्ववृत्त प्रस्तुत है।

स्ववृत्त

रूचि:

ग्रेजुएशन के समय से ही हिन्दी साहित्य में मेरी रुचि रही है। कहानी विधा मुझे अत्यन्त प्रिय है। नई कहानी आंदोलन का मैंने गहन अध्ययन किया है। मुक्तिबोध के रचना कर्म को युगीन परिस्थितियों

में समझने का सचेत प्रयास किया है।

शैक्षणिक योग्यताएँ-

रानी इण्टर कॉलेज साधनगर	हाईस्कूल	द्वितीय श्रेणी (55%)	2002
रानी इण्टर कॉलेज साधनगर इण्टरमीडिएट	इण्टरमीडिएट	प्रथम श्रेणी (65%)	2004
सरस्वती विश्वविद्यालय	बी.ए. : हिन्दी, भूगोल व प्राचीन इतिहास में	प्रथम श्रेणी (62%)	2009
मुंबई विश्वविद्यालय	एम. ए. : हिन्दी में	प्रथम श्रेणी	2011
यू.जी.सी	जे.आर.एफ.	प्रथम श्रेणी	2012
प्रभात एजुकेशनल इंस्टीट्यूट	पीएच.डी	प्रथम श्रेणी	2020

उपलब्धियाँ तथा पुरस्कार:

- राष्ट्रीय सेवा योजना में दो वर्ष (240 घंटे) सत्र 2005-06 तथा 2006-07 में सक्रिय सहभागिता की।
- बर्तोल्ड ब्रेडल के नाटक 'अपवाद ओर नियम' में भाग लिया।

अभय सिंह
52, पालम एन्क्लेव
रामचौक, साधनगर
नई दिल्ली, 110046
मो. 963500XXXX
ईमेल: abhsingh296@gmail.com

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: pccfgnctd@gmail.com
CC ...
BCC ...

विषय - वृक्षों की अवैध कटाई के संबंध में

महोदय,

मैं आपका ध्यान अपने मोहल्ले वैशाली नगर की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। इस मोहल्ले से कुछ दूरी पर हरा-भरा बाग था। बाग के पास से एक कच्चा रास्ता आगे जाकर मुख्य सड़क पर मिलता था। इसी रास्ते को चौड़ा करने के नाम पर इस बाग तथा आसपास के क्षेत्रों में उन हरे-भरे पेड़ों को काटा जा रहा है जो कि यहाँ के पर्यावरण के लिए घातक है। इन पेड़ों को न काटा जाता तब भी पर्याप्त चौड़ी सड़क बन जाती, किंतु कुछ ठेकेदार किस्म के लोग इन पेड़ों के दुश्मन बने हुए हैं।

आपसे विनम्र प्रार्थना है कि पेड़ों की अनियंत्रित कटाई रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने की कृपा करें। हम क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।

पवन

आवश्यक सूचना

दिल्ली जाने वाली **मंसूरी एक्सप्रेस** दिनांक 17.1.19 के सभी यात्रियों को सूचित किया जाता है कि यात्रा के दौरान एक अटैची मुझे मिली है। जिस सज्जन की हो पहचान बताकर ले जाएँ।

कृपया पहचान-पत्र और FIR की कॉपी लेकर आएँ। पुलिस जाँच के बाद ही सामान सौंपा जाएगा।
पता : गोविन्द सिंह, 75/5 कोठद्वारा, उत्तराखंड
16. दूरभाष: - 922856XXXX

अथवा

संदेश

5 अप्रैल 2020
रात्रि 12:02 बजे
प्रिय भाई

तुम जियो हजारों साल
साल के दिन हो पचास हजार

जन्मदिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। आशा है तुम दिन दुगुनी रात चौगुनी तरक्की करो। भगवान तुम्हारी आयु लंबी करें। तुम्हारे सारे सपने पूरे हो।
गोविन्द

17. **वन एवं वन्य संपदा**

सामान्यतः एक ऐसा विस्तृत भू-भाग जो पेड़-पौधों से आच्छादित हो, 'वन' कहलाता है। वन मनुष्य के लिए प्रकृति का सबसे बड़ा वरदान है। वन सम्पदा हमारी भारतीय सभ्यता और प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। वन सम्पदा वातावरण में उपलब्ध धुआँ, धूलकण, कार्बन, सीसा, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड एवं मानव जीवन को प्रदूषित करने वाली गैसों को घटाकर जीवन को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त,वनों से हमें फ़र्नीचर के लिए लकड़ी, फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ, औषधियाँ आदि वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। वन मृदा अपरदन रोकने व वर्षा करवाने में भी सहायक होते हैं।
वनों का एक लाभ और भी है। इनके कारण ही वन्य-जीवन फलता-फूलता है। वन्य का अर्थ है-वन में उत्पन्न होने वाला। इस प्रकार वन्य-जीवन का तात्पर्य उन जीवों से है जो वन में पैदा होते हैं और वन ही उनका आवास-स्थल बनता है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में लगभग 75000 प्रकार की जीव-प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश वनों में पाई जाती हैं। इनमें सिंह, चीता, लोमड़ी, गीदड़, लकड़बग्घा, हिरण, जिराफ, नीलगाय, साँप, मगरमच्छ आदि प्रमुख हैं। यदि वन न हों तो इन सभी जीवों का अस्तित्व ही मिट जाएगा, जबकि मनुष्य के साथ इन जीवों का सह-अस्तित्व आवश्यक है क्योंकि इससे प्रकृति में संतुलन बना रहता है। हालाँकि पिछले कुछ समय से वन एवं वन्य संपदा पर खतरा मँडरा रहा है। वनों से ढके हुए क्षेत्रों में कमी हो रही है, जिससे वन्य-जीवन भी विलुप्त होता जा रहा है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार, देश के 33% भू-भाग पर वन होने चाहिए, परंतु इस नीति पर ठीक से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रशासन तंत्र को शीघ्र ही इस विषय का संज्ञान लेना चाहिए और वन एवं वन्य संपदा के संरक्षण हेतु उचित कदम उठाने चाहिए।

अथवा

पुस्तकें पढ़ने की आदत

पुस्तकें हमारे जीवन का एक महत्त्वपूर्ण अंश है। पुस्तकों के अध्ययन से हम भिन्न-भिन्न प्रकार के ज्ञान अर्जित करने में सक्षम होते हैं। पुस्तकें विद्यालयी विद्यार्थियों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए एक उपयोगी साधन है। विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन पुस्तकों द्वारा संभव होता है, वहीं बुजुर्गों के लिए समय व्यतीत एवं मनोरंजन के साधन रूप में पुस्तकें कार्य करती हैं। वर्तमान दौर में तकनीकों का

प्रसार इस हद तक हो चुका है कि आज पुस्तकों का स्थान मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टैबलेट आदि ने ले लिया है। इनका आकर्षण इतना अधिक हो गया है कि लोगों ने पुस्तकों को पढ़ना बहुत कम कर दिया है। आज पुस्तकें न पढ़ने का कारण विविध प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं। इन उपकरणों के कारण लोग भले ही कुछ ज्ञान अर्जित कर लेते हैं, परंतु समय का जो दुरुपयोग आज का युवा वर्ग कर रहा है उसको भर पाना असंभव प्रतीत होने लगा है। पुस्तक पढ़ने की आदत से हम नित दिन अध्ययनशील रहते हैं। इससे पढ़ने में नियमितता बनी रहती है तथा हम मानसिक रूप से भी स्वस्थ बने रहते हैं। अतः हमें सदैव पुस्तक पढ़ने की आदत बनानी चाहिए।

अथवा

स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्वच्छता मुहिम है, जो भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। यह एक बड़ा आंदोलन है, जिसके तहत भारत को पूर्णतः स्वच्छ बनाना है। इसमें स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए महात्मा गाँधी के भारत के सपने को आगे बढ़ाया गया है। इस मिशन को 2 अक्टूबर, 2014 को बापू के 145वें जन्म दिवस के शुभ अवसर पर आरम्भ किया गया और 2 अक्टूबर 2019; बापू के 150वें जन्म दिवस तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। स्वच्छ भारत का सपना महात्मा गाँधी के द्वारा देखा गया था जिसके संदर्भ में गाँधीजी ने कहा था कि "स्वच्छता स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी है।" स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रव्यापी सफाई अभियान के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई मुहिम है। यह अभियान स्वच्छ भारत की कल्पना की दृष्टि से लागू किया गया है। भारत को एक स्वच्छ देश बनाना महात्मा गाँधी का सपना था। इस मिशन का उद्देश्य सफाई व्यवस्था की समस्या का समाधान निकालना, साथ ही सभी को स्वच्छता की सुविधा के निर्माण द्वारा पूरे भारत में बेहतर मल प्रबंधन करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति तक भारत में इस मिशन की कार्यवाही निरंतर चलती रहनी चाहिए। भौतिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक कल्याण के लिए भारत के लोगों में इसका एहसास होना बहुत आवश्यक है। यह सही मायनों में भारत की सामाजिक स्थिति को बढ़ावा देने के लिए है, जो हर तरफ स्वच्छता लाने से शुरू किया जा सकता है। नगर निगम के कचरे का पुनर्चक्रण और दुबारा इस्तेमाल, सुरक्षित समापन, वैज्ञानिक तरीके से मल प्रबंधन को लागू करना मुख्य उद्देश्य हैं। खुद के स्वास्थ्य के प्रति भारत के लोगों की सोच और स्वभाव में परिवर्तन लाना और स्वास्थ्यकर साफ-सफाई की प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है।